ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय
रायपुर

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-02-2024

कोरिया(छत्तीसगढ़) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-02-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-02-21	2024-02-22	2024-02-23	2024-02-24	2024-02-25
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	30.0	29.0	29.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	13.0	12.0	13.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	85	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	11	12	9	10
पवन दिशा (डिग्री)	202	248	90	68	68
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में आसमान साफ एवंआमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान हैं । अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः २९.० से ३०.०°C और १२.० से १६.०°C के मध्य रह सकता है । सुबह हवा में ८०-८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ३०-३५ प्रतिशत नमी रहने की संभावना है । आने वाले दिनो में हवा कि गति लगभग ८-१२ किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है ।

सामान्य सलाहकार:

वर्त्तमान मौसम को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह हैं कि रबी फसलो कि कटाई के उपरांत अधिक समय के लिए खेतों में न रखे तथा जल्द से जल्द मिसाई कर अच्छी तरह सुखाकर सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें ।

लघु संदेश सलाहकार:

अगले दिनों में तापमान बढने की सम्भावना को देखते हुये ग्रीष्मकालीन उड़द एवं ग्रीष्मकालीन सब्जियों वाली फसलों में उचित अन्तराल पर सिंचाई करे ।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	समय से बोई गई गेहूं की फसल फुल अवस्था से दाना भरने की अवस्था में आ गई है एवं इस समय फसल में नमी की कमी नही होनी चाहिए, नमी की कमी होने पर खेत की सिंचाई करे । जहाँ गेहूं की फसल

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	बालियाँ निकलने की अवस्था में हैं अत: जो किसान भाई बीज उत्पादन करना चाहते है, वे विजातीय पौधों को निकालकर खेत से अलग करें ।
चना	किसान भाइयों को सलाह दी जाती हैं कि खेत की सतत निगरानी करते रहे एवं इल्ली का प्रकोप होने पर इल्ली को हाथ से चुनकर नष्ट करे तथा इसके प्रारम्भिक नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन जैसे फीरोमोन प्रपंच, प्रकाश प्रपंच या अनुशंसित दवाई की निर्धारित मात्रा का उपयोग करें । चने में बड़ी इल्लियों के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफास + साइपरमेथ्रिन मिश्रित कीटनाशक 400 मि.ली./ एकड़ की देर से 200 लीटर पानी में घोलकर मौसम खुलने पर छिड़काव करे ।
सरसों	सरसों कि फसल में माहूँ (एफिड) कीट की शिशु और वयस्क दोनों ही हानिकारक अवस्थाएँ है । इस कीट का अधिक प्रकोप होने पर नियंत्रण के लियें इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 250 मि.ली. प्रति हे. की दर से घोल बनाकर 10-15 दिन के अंतराल पर आवश्यकतानुसार दो से तीन बार छिड़काव करें । निचली पत्तियों पर रोग के लक्षण दिखाई देने पर मेटालेकिसल ०१ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से मौसम खुलने पर छिड़काव करें । रोग की तीव्रता के अनुसार 10-12 दिन बाद एक छिड़काव और किया जा सकता हैं । समय से बुआई की गई सरसों की फसल परिपक्वता अवस्था में आ गई हो, तो किसान भाई इसकी कटाई करे एवं उसे २-३ दिनों तक धुप में सूखने दे ।
काला चना	ग्रीष्मकालीन फसलों जैसे- मुंग, उड़द एवं मूंगफल्ली तथा सब्जिया किसान भाई अभी तक नही लगाये हो तो, यथाशिघ्र खेत की जुताई कर बुआई करे । मुंग एवं उड़द के बीज को बोने से पहिले राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करे । यदि फसल की बुआई हो गई हो तो, फसल की निंदाई एवं गुड़ाई का कार्य करे ।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	आम में इस समय बौर (फुल) आ चुका है तथा फल लगना प्रारम्भ हो रहा है। इस अवस्था में बौर में भभूतिया रोग लगने की संभावना रहती है । अतः सलाह दी जाती है कि इसकी सतत निगरानी करें तथा रोग के लक्षण दिखाई देने की स्थिति में बॉविस्टीन 1.5 ग्राम अथवा सल्फेक्स 3 ग्राम प्रतिलीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिडकाव करें । आम में फल मटर के दाने के बराबर हो गए हो तो सिंचाई करने की सलाह दी जाती है, जिससे की फलो को झड़ने से बचाया जा सके ।
आलू	किसान भाई आलू, अदरक, हल्दी एवं कंद वर्गीय फसलों की खुदाई कर सुरक्षित स्थान पर रखे । किसान भाई अपने फसल के परिपक्वता की अवस्था को देखते हुए खुदाई से ७ से १० दिन पहिले ऊपर का पत्ता काटकर हटा दे, ताकि आलु सक्त एवं उसका छिलका भी भली-भांति परिपक्व हो जायें ।
टमाटर	टमाटर, बैगन, मिर्च, भिन्डी एवं अन्य सब्जी वाली फसल में निंदाई गुड़ाई करे एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई कर नत्रजन उर्वरक की मात्रा देवें । वातावरण में तापमान को देखते हुए सिंचाई की दर बढ़ा देवें ।
भिण्डी	किसान भाई भिन्डी, गिलकी, तोरई, तरबूज, खरबूज एवं करेला इत्यादि ग्रीष्मकालीन फसल की बुआई कर सकते है इसके लिए मौसम अनुकूल हैं ।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू गायों एवं भैंसों को प्रोटीन युक्त दलहनी हरा चारा जैसे बरसिम एवं लुसर्न की कटाई कर सूखे चारे जैसे गेहूं का भूसा एवं कुट्टी के साथ ३:१ के अनुपात मे मिलाकर खिलावें । किसान भाई अपने जानवरों को धुप में निकलने से बचाये, ज्यादा से ज्यादा पानी पिलाये तथा जानवरों को नियमित रूप से नहलाये । पशु बाड़े को हवादार बनाये एवं गिले बारदाने लटकाकर ठंडा रखे ।